

उबसना स.क्रि. (तद्.) बर्तन माँजना **अ.क्रि.** (तद्.) सड़ना, गलना।

उबसाना अ.क्रि. (तद्.) (तत्. उद्वासन) 1. किसी से (बर्तन) साफ करवाना 2. दुर्गन्धयुक्त करना, सड़ाना।

उबहना वि. (तद्.) बिना जूते का, नंगे पाँव वाला।

उबाई स्त्री. (तद्.) (तत्.-उद्देजन) 1. उबरे का भाव 2. जूँभा, जँभाई, उबासी।

उबाक स्त्री. (तद्.) 1. वमन करने की इच्छा, मिचलाहट 2. मिचली।

उबाना स.क्रि. (तद्.) 1. ऊबने का कारण होना 2. तंग करना, परेशान करना 3. बर्तन आदि को पोंछकर उनका गीलापन दूर करना **पुं.** (देश.) कपड़ा बुनने में राख के बाहर रह जाने वाला सूत।

उबार पुं. (तद्.) 1. उद्धार, रक्षा 2. बचाव, छुटकारा 3. पर्दा।

उबारन पुं. (तद्.) उद्धार **वि.** उद्धार करने वाला।

उबारना स.क्रि. (तद्.) 1. उद्धार करना, छुड़ाना 2. बचाना।

उबारा पुं. (देश.) पशुओं के पानी पीने के लिए कुएँ के पास बनाया गया कुंड।

उबाल पुं. (तद्.) **दे.** 1. आँच पाकर फेन सहित ऊपर उठना, खौल कर ऊपर उठना, उफान 2. जोश उभर आना 3. क्रोध से भड़क उठना।

उबालना स.क्रि. (तद्.) पानी, दूध या किसी तरल पदार्थ को इतना गरम करना कि वह फेन सहित ऊपर उठ आए। **तु.** खौलाना, औटाना।

उबासी स्त्री. (तद्.) नींद, थकान या आलस्य के कारण मुँह खोल कर लंबी साँस लेने-छोड़ने की स्वाभाविक क्रिया, जँभाई।

उबीठा वि. (देश.) 1. उबा हुआ 2. थका हुआ 3. जँभाई लेता हुआ 4. उबाने वाला, थकाने वाला 5. अरुचिकर।

उबीधा वि. (तद्.) (तत्-उद्विद्ध) 1. बिंधा हुआ 2. धँसा हुआ 3. फँसा हुआ 4. बेधने/चुभने वाला 5. फँसाने वाला।

उभड़ना अ.क्रि. (तद्.) **दे.** उभरना।

उभय वि. (तत्.) 1. दोनों 2. दो में से प्रत्येक **प्रयो.** द्वंद्व समास में उभय पद प्रमुख होते हैं।

उभयचर पुं. (तत्.) 1. जल-थल दोनों में समान रूप से रह सकने वाला **जैसे-** कछुआ, मेंढक। amphibious

उभयछंद पुं. (तत्.) वह छंद जो मात्रिक और वर्णिक दोनों हो **जैसे-** अनुष्टुभ।

उभयतः क्रि.वि. (तत्.) दोनों ओर से, दोनों दिशाओं में, दोनों प्रकार से।

उभयतोमुख वि. (तत्.) 1. दोनों ओर मुँह वाला, दो मुहों 2. आगे-पीछे दोनों ओर मुँह वाली (मूर्ति), उभयमूर्ति 3. दो प्रकार की बातें बोलने वाला (दल, नेता आदि)।

उभयत्र क्रि.वि. (तत्.) 1. दोनों जगह 2. दोनों ओर।

उभयदिक् क्रि.वि. (तत्.) दोनों दिशाओं में, दोनों ओर।

उभयद्विगुणित वि. (तत्.) कृषि. जातियों के संकरण से प्राप्त (पौधा) जिसे जनक पौधे के गुणसूत्रों की दुगुनी मात्रा से उगाया जाता है। amphidiploid

उभयधर्मी पुं. (तत्.) दोनों के गुणधर्मों से युक्त। रसा. (ऐसे तत्व) जो धात्विक और अधात्विक दोनों प्रकार के गुण दर्शाते हैं **जैसे-** यशद और ऐलुमिनियम जो अम्ल और क्षार दोनों के साथ अभिक्रिया करते हैं। amphoteric

उभयनिष्ठ वि. (तत्.) जो दोनों में स्थित हो। common to both

उभयनिष्ठ स्पर्श-रेखा स्त्री. (तत्.) गणि. परस्पर स्पर्श करते हुए दो वृत्तों के बीच की स्पर्श